

॥ श्रीशंभुधर पार्श्वनाथाय नमः ॥
 श्री राजनगर जैन धर्म, म.पू. धार्मिक धर्माधी परीक्षा नी संस्था

लिपिल- दौरला- ८

गुला- १००

पू-१	नीशेनी भूजगाथा लप्पी (कौई पला पांथ)	१५
(१)	सव्यै वि (२) ससैव थ ...	
(३)	जलीसं पुला ... (४) पला गज्जल	
(५)	संभाउ ... (५) यइतीसु विज..	

पू-२	नीशेना विषयौ जलावली गाथाओना अर्थ लप्पी	२०
(१)	आयुधार (२) मनुष्यो नी गलि-आगलि	
(३)	शरीर - अवगाहना द्वार (४) श्रैलिक्षौ	
(५)	परिधि (५) योगद्वार	

पू-३	काव्य विभागा आधारित जवाब आपी	१५
(१)	सैत्यवदन - जिनपलि यौवन पहिरथा शिव... सुधी	
(२)	रत्नवन - रौग उरगा दूध सहोदर... सुधी	
(३)	पंचकल्याणक रत्नवन - कुरुणा आली सौना रुपानी... सुधी	
(४)	हित शिक्षा - कामविना ... दुर्जनची दूर... सुधी	

पू-४	राजनगर ज्ञानाभाला आधारित जवाब आपी	१५
(१)	प्रायक सेवा वसा नी दया पाजे ले शीरीले ?	
(२)	अपवस्थात्रिक नां नाम आपी अने ले समझवी	
(३)	जव जला करण करे छे, लेना नाम आपी अने लेनी अर्थ समझवी	
(४)	आठ भदनां नाम आपी अने ले कौले कौले कर्ता हुला ? ले जलावी	
(५)	दान ने शौलावनासं पांथ लूषणो ना नाम आपी.	

पू-५	नीशेना जवाब दंडक - लघु संग्रहणी आधारित लप्पी	२०
(१)	अैक समये कैटली लेश्या होय अने कैटली समय रही पुनः जीन लेश्या प्राप्ता थाय ?	
(२)	अपकायने कैटला समुद्घात अने कथा कथा ?	
(३)	कैटला अने कथा कथा दंडकी मां ह्य पर्याप्त छे ?	
(४)	संग्रहणी अपैलेशुं ?	
(५)	२४ दंडक मां कौने कैटली अने कलकल संज्ञा छे	

પ્ર-૬

નીચેના શબ્દોની વ્યાખ્યા લખો

૧૫

- | | | | |
|----------------|-------------------------------|------------------|-------------------|
| (૧) યોગ | (૨) ઉપપાત | (૩) વ્યવહાર સત્ય | (૪) હુંડક સંસ્થાન |
| (૫) યોજન | (૬) દ્રહી | (૭) આદાર સંજ્ઞા | (૮) અલ્પબહુલ્ય |
| (૯) સાકારોપયોગ | (૧૦) દૃષ્ટિવાદોપદેશિકી સંજ્ઞા | (૧૧) ભાવભેદ | |